[illegible] की आवश्यकताओं एव

[illegible] का अध्ययन”

[illegible] शिक्षा में स्नातकोत्तर

[illegible] की आंशिक पूर्ति हेतु [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] आगरा [illegible]

2004:2005

"मध्यप्रदेश में पैराशिक्षकों की आवश्यकताओं एवं समस्याओं का अध्ययन"

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की शिक्षा में स्नातकोत्तर एम.एड. (प्रारम्भिक शिक्षा) की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबन्ध

वर्ष 2004-05

D-195

निर्देशक :-

डॉ. एस.के. गुप्ता
प्रवाचक
शिक्षा विभाग, भोपाल

शोधकर्ता :-

कु. आराधना त्रिपाठी
एम.एड. छात्रा
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्,
श्यामला हिल्स, भोपाल (म. प्र.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु. आराधना त्रिपाठी ने **"मध्यप्रदेश में पैराशिक्षकों की आवश्यकताओं एवं समस्याओं का अध्ययन"** नामक लघु शोध मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है। यह शोध कार्य पूर्ण रूप से मौलिक है, जो इससे पूर्व विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया। इन्होंने यह कार्य पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से किया है।

यह लघु प्रबन्ध बरकताउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की सत्र २००४-०५ की स्नातकोत्तर एम.एड. उपाधि परीक्षा आंशिक सम्पूर्ति हेतु उपयुक्त है।

भोपाल,
दिनांक 05/04/05

(डॉ. एस.के. गुप्ता)
प्रवाचक शिक्षा संकाय
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल।

आभार–ज्ञापन

प्रस्तुत शोधकार्य की पूर्णता के लिए मैं अपने निर्देशक **डॉ. एस.के. गुप्ता** की कृतज्ञ हूँ, जिन्होंने समय–समय पर उचित निर्देशन एवं प्रोत्साहन देकर इस शोध कार्य को सम्पन्न करने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। प्रस्तुत शोध–ग्रन्थ आपके ही मार्गदर्शन का प्रतिफल है। आपके द्वारा धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीयता एवं वात्सल्यपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन अविस्मरणीय रहेगा।

मैं आदरणीय प्राचार्य **डॉ. एम. सेनगुप्ता**, विभागाध्यक्ष **डॉ. श्रीमती अविनाश ग्रेवाल** एवं एम.एड. प्रभारी **डॉ. के. के. खरे** को सहयोग के लिए धन्यवाद देती हूँ।

मैं, आदरणीय प्रवक्ता **डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण** के स्नेहपूर्ण सहयोग एवं प्रोत्साहन के लिए हृदय से आभारी हूँ। मैं जिले के उन सभी शिक्षकों की आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे इस शोध कार्य के लिए सहयोग दिया।

मैं, अपने **माता–पिता, भाई** को हार्दिक धन्यवाद देती हूँ, जिन्होंने मुझे इस अध्ययन के लिए प्रेरित किया।

मैं, **पुस्तकालय प्रभारी** एवं अन्य **सभी पुस्तकालयीन कर्मचारियों** की आभारी हूँ, जिन्होंने अध्ययन हेतु पुस्तकें उपलब्ध कराकर अपना सहयोग दिया।

मैं, अपने सहपाठी **श्री सतीश कुमार तिवारी** एवं **श्री चन्द्रेश राठौर** को सहयोग के लिए धन्यवाद देती हूँ।

मैं, उन समस्त विद्वानों की आभारी हूँ, जिनके ग्रन्थों का संदर्भ–ग्रंथ के रूप में प्रयोग किया गया।

कु. आराधना त्रिपाठी
एम.एड. (एलीमेन्टरी)

अनुक्रमणिका

अध्याय		पृष्ठ
अध्याय प्रथम –	**शोध परिचय**	
1.1	प्रस्तावना	1
1.2	मध्यप्रदेश में प्रारम्भ की गई परियोजनाएँ	5
1.3	वैकल्पित परियोजनाओं के अन्तर्गत कार्यरत् शिक्षकों की समस्यायें।	11
1.4	लघु शोध की आवश्यकता एवं महत्व	13
1.5	समस्या कथन	14
1.6	पैराशिक्षक की क्रियात्मक परिभाषा	14
1.7	शोध उद्देश्य	14
1.8	शोध के चर	15
1.9	शोध प्रश्न	16
1.10	शोध परिकल्पनाएँ	18
1.11	शोध की परिसीमाएँ	19
अध्याय द्वितीय –	**सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन**	
2.1	परिचय	20
2.2	सम्बन्धित साहित्य	20
अध्याय तृतीय –	**शोध प्रविधि**	
3.1	प्रस्तावना	28
3.2	प्रतिदर्श तथा प्रतिदर्श का चयन	28
3.3	उपकरण	30
3.4	प्रदत्तों के संकलन की प्रक्रिया	32
3.5	मूल्याँकन	33

3.6 सांख्यिकी का प्रयोग 33

अध्याय चतुर्थ – प्रदत्तों का विश्लेषण

4.1 भूमिका 34

4.2 लिंग के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण 35

4.3 विद्यालय में प्रकार के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण 38

4.4 स्थान के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण 42

4.5 शैक्षिक योग्यता के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण 45

4.6 व्यवसायिक योग्यता के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण 49

अध्याय पंचम – शोध सार, निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 भूमिका 58

5.2 समस्या कथन 58

5.3 शोध के उद्देश्य 58

5.4 शोध के चर 59

5.5 शोध प्रश्न 60

5.6 परिकल्पनाएँ 60

5.7 प्रतिदर्श 62

5.8 उपकरण 62

5.9 सांख्यिकी 63

5.10 परिणाम 63

5.11 सुझाव 64

संदर्भ ग्रन्थ सूची 66

परिशिष्ट – 1, 2, 3

सारणी अनुक्रमणिका

सारणी क्र.	विवरण	पृष्ठ क्र.
1.1	संविदा शाला शिक्षक की पात्रता शर्तों का विवरण	6
1.2	वेतनमान का विवरण	12
3.1	चयनित पैराशिक्षकों की जिलेवार सूची	29
4.1	लिंग के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का सारणी	35
4.2	विद्यालय के प्रकार के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का सारणी	38
4.3	स्थान के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का सारणी	42
4.4	शैक्षणिक योग्यता के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का सारणी	45
4.5	व्यवसायिक योग्यता के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का सारणी	49
	पाई आरेख	54